

Padma Bhushan



SHRI RAJNIKANT DEVIDAS SHROFF

Shri Rajnikant Devidas Shroff (Rajjubhai), is a renowned scientist, entrepreneur, equal opportunity crusader. He is the founder of United Phosphorus Limited (UPL), an chemical production company registered in India. Currently, he is chairman & managing director (CMD) of UPL limited.

2. Born on 20th October, 1933 into a family of eminent entrepreneurs of Kutch, Shri Shroff graduated in Chemistry from Bombay University in 1956 and a diploma in SCMP at Harvard, USA. He diligently studied intricate chemical properties and mastered the art of safely handling highly flammable, explosive and poisonous chemicals. He was the first ever Indian to start and run a chemical factory in England. There he established a novel process of manufacturing mercury salts and was paid royalty for it by a British Company- a big achievement for any Indian way back in 1957.

3. Back in India, Shri Shroff chose to manufacture various so called hazardous products which were earlier imported, by employing his own new, safe and innovative processes. He first pioneered Red Phosphorus manufacturing in 1969, giving an impetus to the indigenous chemical industry and quickly moved on to produce other chemicals like Aluminium Phosphide and Zinc Phosphide for agriculture. His products found ready acceptance in diverse industries including Indian Defence, matchsticks and in agriculture, invariably contributing to savings in precious foreign exchange. Sticking to his core knitting (Agrochemicals), he steadfastly guided UPL on its growth path over the next few decades. UPL's product-folio was diversified to produce hundreds of agrochemical products, with over 30 manufacturing locations spread across 16 countries and with market presence in over 130 countries. Today, he is credited with several product and process patents in India, Europe and USA.

4. Shri Shroff established an NGO (CENTAGRO) Centre for Agriculture and Science, to demystify myths and educate all concerned on the real vibrancy of Indian agriculture. Today's newfound optimism and positivity towards Indian agriculture amongst academicians, bureaucrats and Ministry of Agriculture is arguably attributed to his tireless personal efforts. He has been repeatedly elected as the Chairman of The Cropcare Federation of India, an apex body founded to be the bridge between the Indian farmer, the Government and the agrochemical industry. Making the Prime Minister's slogan of "Make in India" his own, he has personally encouraged and supported his peers in the industry by helping them grow in the existing Indian ecosystem.

5. Shri Shroff has been labelled as "The Crop Protection King of India". Under his leadership, UPL is today the World's largest Generic Agrochemical Company commanding over 5% of the global market share. The company has over 250 product/process patents globally and employs over 10000 people from over 25 nationalities. UPL now offers "Total Crop Solutions" to global farming community, ranging from seeds to crop protection and on to post harvest crop protection. The company has market capitalization of over Rs 35000 Crores. He is India's 2nd largest spender on CSR activities and a major contributor to constructing toilets under "Swachh Bharat" scheme.



श्री रजनीकांत देवीदास श्रॉफ

श्री रजनीकांत देवीदास श्रॉफ (रज्जूभाई) एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, उद्यमी, समान अवसर के समर्थक हैं। वह भारत में रजिस्टर्ड केमिकल प्रोडक्शन कंपनी यूनाइटेड फास्फोरस लिमिटेड (यूपीएल) के संस्थापक हैं। वर्तमान में, वह यूपीएल लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हैं।

2. 20 अक्टूबर, 1933 में कच्छ के प्रख्यात उद्यमी परिवार में जन्मे, श्री श्रॉफ ने 1956 में बॉम्बे यूनिवर्सिटी से केमिस्ट्री में ग्रेजुएशन और अमेरिका के हार्वर्ड से एससीएमपी में डिप्लोमा किया। उन्होंने लगन से जटिल रासायनिक विशेषताओं का अध्ययन किया और अत्यधिक ज्वलनशील, विस्फोटक और जहरीले रसायनों को सुरक्षित रूप से संभालने की कला में महारत हासिल की। वह इंग्लैंड में केमिकल फैक्ट्री शुरू करने और उसको चलाने वाले पहले भारतीय थे। वहां उन्होंने पारा लवण के निर्माण की एक अभिनव प्रक्रिया की शुरुआत की और इसके लिए उन्हें एक ब्रिटिश कंपनी द्वारा रॉयल्टी का भुगतान किया गया, जो कि 1957 में किसी भी भारतीय के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।

3. भारत वापस आकर, श्री श्रॉफ ने अपनी नई, सुरक्षित और अभिनव प्रक्रियाओं को नियोजित करके उन विभिन्न तथाकथित खतरनाक उत्पादों का निर्माण करने का फैसला किया, जो पहले आयात किए जाते थे। उन्होंने पहली बार 1969 में रेड फास्फोरस निर्माण का बीड़ा उठाया, देशी रासायनिक उद्योग को प्रोत्साहन दिया और कृषि के लिए एल्यूमीनियम फॉस्फाइड और जिंक फास्फाइड जैसे अन्य रसायनों का उत्पादन करने की दिशा में तेजी से कदम आगे बढ़ाए। उनके उत्पादों को भारतीय रक्षा, माचिस और कृषि सहित विविध उद्योगों में तुरंत मान्यता मिली, और इससे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत करने में मदद मिली। अपने मूल क्षेत्र (एग्रोकेमिकल्स) के साथ सम्बद्ध रहते हुए, उन्होंने अगले कुछ दशकों में यूपीएल को विकास पथ पर दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाया। यूपीएल के उत्पाद परिदृश्य को, 16 देशों में 30 से अधिक विनिर्माण स्थलों पर सैकड़ों कृषि रासायनिक उत्पाद तैयार करने और 130 से अधिक देशों के बाजार में उपस्थिति के द्वारा विविधता प्रदान की गई। आज उनके पास भारत, यूरोप और अमेरिका में कई उत्पादों और प्रक्रियाओं का पेटेंट है।

4. श्री श्रॉफ ने मिथकों की परतें खोलने और भारतीय कृषि की वास्तविक जीवंतता के बारे में सभी सम्बद्ध लोगों को जानकारी देने के लिए एक गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर एंड साइंस (सी.ई.एन.टी.ए.जी.आर.ओ.) की स्थापना की। शिक्षाविदों, नौकरशाहों और कृषि मंत्रालय के बीच भारतीय कृषि के प्रति नई आशा और सकारात्मकता का श्रेय यकीनन तौर पर उनके अथक व्यक्तिगत प्रयासों को जाता है। उन्हें, भारतीय किसान, सरकार और कृषि रसायन उद्योग के बीच सेतु के रूप में स्थापित एक शीर्ष निकाय क्रॉपकेयर फेडरेशन ऑफ इंडिया का कई बार अध्यक्ष चुना गया है। प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' के नारे को अपनाते हुए, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से उद्योग के अपने समकक्ष साथियों को प्रोत्साहन और सहयोग दिया है और मौजूदा भारतीय माहौल में उनके फलने-फूलने में मदद की है।

5. श्री श्रॉफ को "द क्रॉप प्रोटेक्शन किंग ऑफ इंडिया" का सम्मान दिया गया है। उनके नेतृत्व में, यूपीएल आज दुनिया की सबसे बड़ी जेनेरिक एग्रोकेमिकल कंपनी है जिसकी वैश्विक बाजार हिस्सेदारी 5% से अधिक है। कंपनी के पास विश्व स्तर पर 250 से अधिक उत्पाद / प्रक्रिया पेटेंट हैं और यह 25 से अधिक देशों के 10000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है। यूपीएल अब विश्व कृषक समुदाय को बीज से लेकर फसल संरक्षण तक और फसल कटाई के बाद फसल संरक्षण पर "समग्र फसल समाधान" प्रदान करती है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 35000 करोड़ रुपये से अधिक है। वह सीएसआर गतिविधियों पर खर्च करने वाली भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है और "स्वच्छ भारत" योजना के तहत शौचालयों के निर्माण में प्रमुख योगदान देने वाली कम्पनी है।